बी. ए. तृतीय वर्ष संस्कृत परीक्षा 2019-2020

प्रशनपत्र कूट संख्या - 3642

द्वितीय प्रश्न पत्र: इतिहास, दर्शन, अनुवाद, व्याकरण एवं निबन्ध

पाठ्यक्रम **100 अंक**

क. संस्कृत-साहित्य का इतिहास -

इसके अन्तर्गत निम्नलिखित विषय निर्धारित हैं -

रामायण एवं महाभारत महाकाव्य (ऐतिहासिक काव्यों सहित), नाटक का उद्भव एवं विकास, गद्यकाव्य एवं कथासाहित्य।

ख. दर्शन

1. भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय मात्र।
2. भारतीय दर्शन की मूल अवधारणाएँ के अन्तर्गत निम्नालिखित विषय निर्धारित हैं

   बौद्धदर्शन - चार आर्यसत्य, अष्टांगमार्ग

   जैन दर्शन - अनेकान्तवाद, पंचमहाव्रत

   वेदान्त तथा मीमांसादर्शन - अविद्या, ब्रह्म, अर्थापत्तिप्रमाण।

   सांख्य-योगदर्शन- पुरुष, पुरुषबहुत्व, सत्कार्यवाद, अष्टांगयोग।

   न्याय-वैशेषिक- कारण, ईश्वर, वैशेषिक के पदार्थों का परिचय।

ग. अनुवाद - हिन्दी से संस्कृत में।

घ. व्याकरण - इसके अन्तर्गत निम्नलिखित प्रत्ययों का अध्ययन अपेक्षित है।

कृत् प्रत्यय - क्त्वा, तुमुन, ण्यत्, यत्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तव्यत्, अनीयर्।

तद्धित प्रत्यय - मतुप्, इन्, ठक्, त्व, तल्

स्त्रीप्रत्यय - टाप्, ङीप्।

ङ. निबन्ध (संस्कृत भाषा में) जिसके विषय इस प्रकार होंगे -

कालिदास, बाण, भारवि, भगवद्गीता, भारतीय संस्कृति, संस्कृत भाषा का महत्त्व, सत्संगति, परोपकार, उद्योग का महत्त्व, विद्या का महत्त्व, महाविद्यालय।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - "संस्कृत साहित्य का इतिहास" इसके अन्तर्गत उपर्युक्त विषयों का अध्ययन अपेक्षित है।

द्वितीय इकाई - दर्शन

तृतीय इकाई - अनुवाद

चतुर्थ इकाई - व्याकरण

पंचम इकाई - निबन्ध

प्रश्न-पत्र का विस्तृत अंक विभाजन

प्रथम खण्ड - (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खण्ड - (व्याख्यात्मक भाग) 50 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्याएँ) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा -

क. इसके अन्तर्गत संस्कृत साहित्य के इतिहास से सम्बद्ध रामायण अथवा महाभारत से विकल्प सहित प्रश्न पूछा जाएगा। 10 अंक

ख. इसके अन्तर्गत भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय से कोई भी दो श्लोक देकर एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

ग. इसके अन्तर्गत कोई भी दो हिन्दी भाषा में अवतरण देकर एक अवतरण का संस्कृत भाषा में अनुवाद कराया जाएगा। 10 अंक

घ. इसके अन्तर्गत कोई आठ शब्द देकर किन्हीं चार का मुख्य सूत्रनिर्देशपूर्वक प्रकृति-प्रत्यय का विवेक पूछा जाएगा। 10 अंक

ङ. इसके अन्तर्गत उपर्युक्त विषयों में से किन्हीं चार विषयों को देकर एक विषय पर संस्कृत में निबंध लिखने के लिए कहा जाएगा। 10 अंक

तृतीय खण्ड - (निबन्धात्मक भाग) 30 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 -15** अंक निर्धारित हैं।

1. उक्त खण्ड के अन्तर्गत एक प्रश्न विकल्प सहित संस्कृत साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित बिन्दुओं पर आधारित होगा। 15 अंक
    1. महाकाव्य - ऐतिहासिक महाकाव्यों सहित
    2. नाटक - उद्भव एवं विकास
    3. गद्य काव्य
    4. कथा साहित्य

2. उक्त खण्ड का द्वितीय प्रश्न विकल्पसहित भारतीय दर्शन की मूल अवधारणाओं पर आधारित होगा। इसका विषयनिरूपण ऊपर किया गया है। 15 अंक

सहायक पुस्तकें:-

1. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा - पाण्डेय एवं व्यास
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास - पं. बलदेव उपाध्याय
3. संस्कृत वाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास - डॉ. सूर्यकान्त
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास - ए. बी. कीथ, अनु. मंगलदेव शास्त्री
5. श्रीमद्भगवद्गीता - अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
6. संस्कृतरचनानुवाद मंजरी - अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
7. संस्कृत अनुवाद चन्द्रिका - भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
8. प्रौढ़रचनानुवादकौमुदी - डॉ. कपिल देव द्विवेदी
9. बृहदनुवादचन्द्रिका - चक्रधर हंस नौटियाल
10. संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका - डॉ. बाबूराम सक्सेना
11. तर्कसंग्रह - अन्नंभट्ट (व्या.) - प्रो. दयानन्द भार्गव, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

*****